प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में पशुपालन प्रबंधन पर दो प्रशिक्षणों का आयोजन

पंतनगर। 11 जून 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय की प्रशिक्षण इकाई द्वारा 'पशुपालन प्रबंधन' पर दो प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। पहला प्रशिक्षण स्वरोजगार योजनान्तर्गत 06–08 जून 2019 को आयोजित हुआ, जिसके उद्घाटन सत्र में प्रशिक्षणार्थी को संबोधित करने हुए निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. पी.एन. सिंह, ने कहा कि डेरी उद्योग एक लाभदायक व्यवसाय है, परन्तु पशुओं के नस्ल सुधार की अत्यंत आवश्यकता है, ताकि कम लागत में कृषक अधिक लाभ कमा सकें। उन्होंने कहा कि अच्छी नस्ल की गाय व भैंस पालन पर कम लागत पर अधिक उत्पादन होता है। इसके साथ ही समय-समय पर टीकाकरण एवं संतुलित आहार का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। डा. एस.के. बंसल, निदेशक संचार एवं प्रभारी प्रशिक्षण, ने कहा कि कृषि के साथ पशुपालन कर कृषक दोहरा लाभ कमा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में बिहार, पटना, मेरठ, काशीपुर, अल्मोड़ा, ऊधमसिंह नगर, नैनीताल के १३ प्रगतिशील कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

दूसरा प्रशिक्षण सहकारी डेरी प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (सीडीटीआरआई), लखनऊ, उत्तर प्रदेश, द्वारा प्रायोजित किया गया। इस तीन-दिवसीय 'पशुपालन प्रबंधन' प्रशिक्षण का शुभारम्भ 7 जून 2019 को किया गया। प्रशिक्षणों के दौरान कृषकों को पशुओं की आवास व्यवस्था, आहार रोगों की रोकथाम, पशुओं में प्राथमिक चिकित्सा बॉझपन निवारण एवं कृत्रिम गर्भाधान की जानकारी डा. डी.वी. सिंह, डा. निधि आरोरा, डा. अंशु रहाल, डात्र ए.के. घोष, डा. अरूप दास, डा. अमित प्रसाद, डा. एच.पी. गुप्ता, डा. एम.एस. पाल एवं डा. पी.के. सिंह द्वारा दी गयी। इस प्रशिक्षण में सी.डी.टी.आर.आई, लखनऊ के 31 कृषक एवं प्रभारी प्रशिक्षण श्री अभिषेक पाल ने प्रतिभाग किया। दोनों प्रशिक्षणों का संचालन डा. मोहन सिंह एवं श्रीमती डी. शर्मा ने किया। प्रशिक्षणों के समापन पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रभारी डा. एस.के. बंसल द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

प्रशिक्षण में सम्मिलित प्रशिक्षणार्थी एवं अधिकारी